



कुंडली मिलान रिपोर्ट

सोच-समझकर पढ़ी गई दो कुंडलियाँ

इनके लिए विशेष रूप से तैयार

Rohan और Sneha

Rohan

2 नवंबर 1996 • पूर्वाह्न 6:15
• Pune

Sneha

14 मार्च 1998 • अपराह्न
7:40 • Mumbai

पद्धति

अष्टकूट • 36

गुण मिलान

19 / 36

नाड़ी दोष

हाँ

भकूट दोष

नहीं

रिपोर्ट NV-KM-261011-0001 • जारी 11 अक्टूबर 2026

Navnaam ज्योतिष टीम द्वारा तैयार

आपकी दो कुंडलियाँ

कुंडली मिलान में दोनों साथियों के चंद्रमा की तुलना होती है। अंश निरयण (लाहिड़ी अयनांश) हैं।

	Rohan	Sneha
चंद्र राशि	कर्क 1° 57'	कन्या 15° 8'
नक्षत्र	पुनर्वसु · 4	हस्त · 2
राशि स्वामी	चंद्र	बुध
वर्ण	ब्राह्मण	वैश्य
वश्य	जलचर	मानव
योनि	मार्जार (बिल्ली)	महिष (भैंस)
गण	देव	देव
नाड़ी	आदि	आदि

नमूना रिपोर्ट

36 में से 19

कूट	अंक
वर्ण	1 / 1
वश्य	0.5 / 2
तारा	1.5 / 3
योनि	2 / 4
ग्रह मैत्री	1 / 5
गण	6 / 6
भकूट	7 / 7
नाड़ी	0 / 8

वर्ण. वर्ण (1 अंक) दोनों चंद्र राशियों के आध्यात्मिक स्वभाव की तुलना करता है। परंपरा पूरे अंक को दृष्टिकोण, मूल्यों और कार्य-निष्ठा के सहज संतुलन के रूप में पढ़ती है।

वश्य. वश्य (2 अंक) दोनों राशियों के बीच स्वाभाविक आकर्षण और प्रभाव को देखता है। पूरे अंक सहज, परस्पर खिंचाव का संकेत देते हैं; कम अंक बताते हैं कि नियंत्रण से अधिक सम्मान और स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है।

तारा. तारा (3 अंक) एक साथी के नक्षत्र से दूसरे के नक्षत्र तक, दोनों दिशाओं में, नक्षत्र गिनता है। यह भाग्य और कुशलता से जुड़ा है; जिस दिशा में गिनती शुभ तारा पर आती है, उसके अंक मिलते हैं।

योनि. योनि (4 अंक) दोनों नक्षत्रों के पशु-प्रतीकों की तुलना करती है। यह स्वभाव, स्नेह और शारीरिक अनुकूलता से जुड़ी है; एक जैसे या मित्र पशु सबसे अधिक अंक पाते हैं।

ग्रह मैत्री. ग्रह मैत्री (5 अंक) दोनों चंद्र राशियों के स्वामियों की मित्रता की तुलना करती है। यह मानसिक तालमेल और समझ से जुड़ी है; मित्र स्वामी सबसे अधिक अंक पाते हैं।

गण. गण (6 अंक) स्वभाव की तुलना करता है: देव (सौम्य), मनुष्य (मानवीय) और राक्षस (तीव्र)। समान या पूरक गण सबसे अधिक अंक पाते हैं और ऐसे स्वभाव का संकेत देते हैं जो आसानी से तालमेल बिठा लें।

भकूट. भकूट (7 अंक) देखता है कि दोनों चंद्र राशियाँ एक-दूसरे से कितनी दूर हैं। यह पारिवारिक सामंजस्य, समृद्धि और साथ बढ़ने से जुड़ा है; 2/12, 5/9 और 6/8 की स्थितियों को शून्य अंक मिलता है।

नाड़ी. नाड़ी (8 अंक) सबसे अधिक भार वाला कूट है। यह दोनों नक्षत्रों की नाड़ी (आदि, मध्य या अंत्य) की तुलना करता है और परंपरा में स्वास्थ्य और संतान से जुड़ा है; अलग-अलग नाड़ी होने पर पूरे अंक मिलते हैं।

दोष और परिहार

जब दोनों साथियों की नाड़ी एक ही हो, तब नाड़ी दोष होता है। परंपरा इसे गंभीरता से लेती है, पर इसके प्रसिद्ध परिहार भी बताती है, जैसे नक्षत्र एक हो पर पाद अलग हों, या राशियाँ अलग हों। कोई ज्योतिषी जाँच सकता है कि कोई परिहार लागू होता है या नहीं।

इस जोड़ी में भकूट दोष नहीं है।

परिहार का अर्थ है निवारण। शास्त्रों में ऐसी स्थितियाँ बताई गई हैं जिनमें किसी दोष का प्रभाव कम या समाप्त माना जाता है। यह रिपोर्ट सामान्य परिहारों का उल्लेख करती है; कुल गुण बिना बदले दिखाए गए हैं, और पूरा निर्णय कोई ज्योतिषी दे सकता है।

इस जोड़ी के लिए परिहार की कोई टिप्पणी नहीं है। मांगलिक दोष के लिए दोनों की पूरी कुंडली चाहिए, इसलिए वह इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है।

ज्योतिष यहाँ परंपरा और मार्गदर्शन के रूप में दिया गया है। यह कोई भविष्यवाणी या गारंटी नहीं है, और यह विवाह की तिथि नहीं है। कोई प्रश्न हो तो रिपोर्ट आईडी NV-KM-261011-0001 के साथ support@navnaam.com पर लिखें।

नमूना रिपोर्ट